तमसो माँ ज्योतिर्गमय
T.P.S. COLLEGE, PATNA

ठाकुर प्रसाद सिंह कॉलेज

चिरैयाटाँड़, पटना–800 001

(पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना की अंगीभूत इकाई)

NAAC ACCREDITED 'B'

निर्देशिका

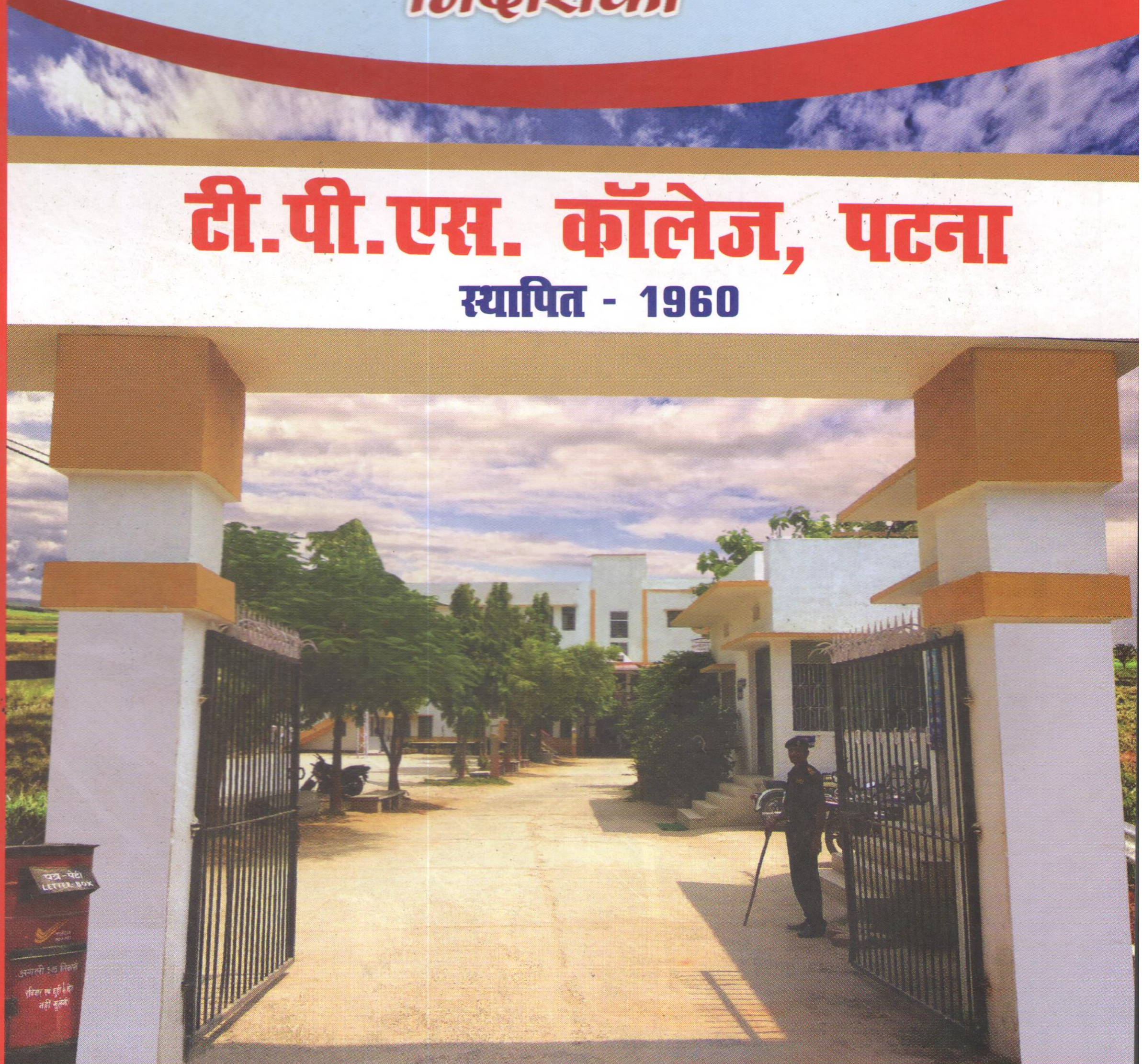

TPS COLLEGE

पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय
PATLIPUTRA UNIVERSITY

CHIRAIYATAND, PATNA-800001, BIHAR
Phone No. : 0612-2353295, Website : www.tpscollege.org, email : tpscollege@yahoo.com

ठाकुर प्रसाद सिंह स्मृति
VISION
MISSION
OBJECTIVES

Our Ultimate Inspiration

स्व० ठाकुर प्रसाद सिंह
1890-1960

प्रो० कुटेश्वर प्रसाद सिन्हा
संस्थापक प्रधानाचार्य
1927-2002

प्रधानाचार्य का संदेश

टी.पी.एस. कॉलेज, पटना में आपका स्वागत है। टी.पी.एस. कॉलेज, पटना 1960 ई. से अद्यतन शैक्षणिक जगत में अपनी गौरवमयी परम्परा का निर्वहन करते हुए शिक्षा के उत्तरोत्तर विकास एवं प्रसार में अविस्मरणीय योगदान देता रहा है। आज यह महाविद्यालय पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की एक मानक इकाई है तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के स्वायत्त संस्थान राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् से बी० ग्रेड (2.57 सी.जी.पी.ए.) प्राप्त है।

हमें अपनी परम्परागत शिक्षा को सशक्त बनाने के साथ–साथ, नये व्यावहारिक एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को अपनाते हुए नई प्रौद्योगिकी की दिशा में पहल करनी होगी, तभी वर्तमान शिक्षा का मूल भाव फलित हो सकेगा। यह महाविद्यालय इस दिशा में प्रयत्नशील है। टी.पी.एस. कॉलेज, पटना अपनी परम्परा को अक्षुण्ण एवं संचित रखते हुए, नये युग में प्रवेश कर शैक्षणिक व्यवस्था की कठोर प्रतिस्पर्धा के लिए पूर्ण तैयार है। बायो–टेक, बी.सी.ए., बी.बी. एम. एवं इग्नू के अध्ययन केन्द्र की स्थापना हमारी अद्यतन उपलब्धियाँ हैं। महाविद्यालय में बी० कॉम आनर्स की पढ़ाई शीघ्र प्रारम्भ होने वाली है। हम आज के मापदंड पर खरा उतरना चाहते हैं– बिहार से छात्रों के पलायन को रोकना चाहते हैं। शिक्षा, संस्कृति के गर्भ में पल्लवित एवं पुष्पित होती है। अतएव सांस्कृतिक गतिविधियों को विकसित करना भी हमारा लक्ष्य है। विगत वर्षों में खेल–कूद एवं सांस्कृतिक क्रिया–कलापों में हमने कई कीर्तिमान स्थापित किये हैं।

अनुशासन को बनाये रखना हमारी प्रतिबद्धता है। शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी, छात्र–छात्राओं एवं अभिभावकों के पारस्परिक सहयोग से हम शैक्षणिक जगत में नवीन कीर्तिमान स्थापित कर सकेंगे, यह हमारा विश्वास है। छात्र एवं छात्राओं के सर्वांगीण विकास के साथ–साथ उनमें शिक्षा के प्रति अभिरुचि तथा पठन–पाठन के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न हो, यही हमारा लक्ष्य है।

प्रो. (डॉ.) उपेन्द्र प्रसाद सिंह
प्रधानाचार्य
टी.पी.एस. कॉलेज, पटना–800 001
पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना

T.P.S. COLLEGE

Prof (Dr.) Upendra Prasad Singh

PRINCIPAL
T. P. S. COLLEGE
CHIRAIYATAND, PATNA-800 001 (BIHAR)

तमसो माँ ज्योतिर्गमय
T.P.S. COLLEGE, PATNA

T.P.S. COLLEGE

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान
NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL
An Autonomous Institution of the University Grants Commission

Certificate of Accreditation

The Executive Committee of the
National Assessment and Accreditation Council
on the recommendation of the duly appointed
Peer Team is pleased to declare the
T. P. S. College
Chirayatand, Patna, affiliated to Magadh University, Bihar as
Accredited
with CGPA of 2.57 on four point scale
at B grade
valid up to November 14, 2020

Date : November 15, 2015

Director

EC(SC)/10/A&A/14.1

PATLIPUTRA UNIVERSITY

Where the mind is without fear and the head is held high
Where knowledge is free
When the world has not been broken up
into fragments by narrow domestic walls

(Rabindranath Tagore)

कविगुरु रवीन्द्रनाथ ठाकुर की इन काव्य पंक्तियों को सार्थक करता हुआ हमारा यह महाविद्यालय 1960 में स्थापित हुआ। पटना जंक्शन स्टेशन के समीप चिरैयाटाँड़ पुल से दक्षिण पोस्टल पार्क की तरफ जाने वाली सड़क पर यह महाविद्यालय अवस्थित है। यह महाविद्यालय राजधानी के शैक्षणिक क्षितिज पर एक दीप्त नक्षत्र के रूप में स्थित है तथा इसकी प्रदीप्त समय के प्रवाह के साथ उत्तरोत्तर बढ़ती जा रहा है।

इस महाविद्यालय की स्थापना ठाकुर प्रसाद सिंह (बड़हिया, तत्कालीन मुंगेर जिला) की स्मृति में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती तेजवंती कुँवर द्वारा उनके निधन के बाद की गई। महाविद्यालय को आर्थिक रूप से सबल बनाने एवं उसे स्थायित्व प्रदान करने के लिए टी०पी०एस० पब्लिक चैरिटेबुल ट्रस्ट द्वारा बड़हिया, पैजनाटाल (तत्कालीन पटना जिला) तथा देवरिया कोठी (तत्कालीन मुजफ्फरपुर जिला) की अपनी जमीन दिसम्बर 1959 में श्रीमती तेजवंती कुँवर ने दान दी। यद्यपि ट्रस्ट की आय का एक छोटा भाग ही महाविद्यालय की स्थापना के समय मिल सका, तथापि श्रीमती तेजवंती कुँवर तब तक आर्थिक सहयोग करती रहीं, जब तक महाविद्यालय ने अपना संसाधन स्वयं विकसित करना न शुरू कर दिया। उन्हीं की प्रेरणा से प्रो० पाण्डेश्वर प्रसाद सिंह ने एक लाख रुपये से अधिक की राशि दानस्वरूप महाविद्यालय को दी। वस्तुतः बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ० श्रीकृष्ण सिंह की प्रेरणा के फलस्वरूप ही यह महाविद्यालय बिहार की राजधानी में स्थापित किया जा सका। महाविद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में श्री महेश प्रसाद सिंह आरंभ से ही उचित मार्गदर्शन करते रहे। उन्हीं की प्रेरणा से महाविद्यालय की स्थापना के लिए दो एकड़ जमीन 6.9.1963 को खरीदी गई। संस्थापक सचिव के रूप में श्री रत्नेश्वर प्रसाद सिन्हा मृत्युपर्यंत आर्थिक एवं दूसरे रूप में महाविद्यालय की सहायता करते रहे।

1962 में मगध विश्वविद्यालय की स्थापना के पूर्व इस महाविद्यालय को गई, 1960 में बिहार विश्वविद्यालय द्वारा सम्बद्धता प्रदान की गई। 1977 में बिहार सरकार द्वारा इस महाविद्यालय को एक अंगीभूत इकाई के रूप में मान्यता प्रदान की गई। आज यह महाविद्यालय पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना की एक महत्वपूर्ण इकाई है। इसे बनाने, संवारने और निखारने में अनेक दिग्गजों की ऐतिहासिक भूमिका रही है, जिन्हें महाविद्यालय परिवार कभी विस्मृत नहीं कर सकता। डॉ० दुखन राम (कुलपति, बिहार वि०वि०), न्यायमूर्ति वशिष्ठ नारायण राय (कुलपति, पटना वि०वि०) तथा डॉ० के० के० दत्त (कुलपति, मगध विश्वविद्यालय) की छत्रछाया में यह महाविद्यालय अपनी स्थापना के बाद के वर्षों में शैक्षणिक ऊँचाई की ओर अग्रसर होता गया। अपनी स्थापना के बाद निरंतर महाविद्यालय को प्रत्येक क्षेत्र के विद्वानों, शिक्षाप्रेमियों का सानिध्य-सहयोग मिलता रहा, जिनमें प्रमुख हैं सर्वश्री प्रो० पी० एन० शर्मा, स्व० चिन्ताहरण सिंह, विजय शंकर दुबे, श्याम नंदन मिश्र, प्रो० बच्चू सिन्हा, प्रो० पी० दयाल, प्रो० जब्बार हुसैन, प्रो० के० के० मंडल आदि। डॉ० रामराज सिंह (तत्कालीन शिक्षा मंत्री बिहार) की पहल पर महाविद्यालय में विज्ञान स्तर की पढ़ाई आरंभ हुई। 1964 में तत्कालीन शिक्षा मंत्री श्री सत्येन्द्र नारायण सिन्हा के कर कमलों द्वारा महाविद्यालय के भवन का शिलान्यास हुआ।

डॉ० कुटेश्वर प्रसाद सिन्हा इस महाविद्यालय के संस्थापक प्रधानाचार्य रहे हैं। उनके कार्यकाल में महाविद्यालय ने चहुँमुखी विकास किया। 7-8 मार्च, 1987 को उन्हीं के कार्यकाल में महाविद्यालय का रजत-जयंती समारोह सम्पन्न हुआ। तब से लेकर आज तक अनेक प्रधानाचार्यों एवं प्रभारी प्रधानाचार्यों ने इस महाविद्यालय का मान बढ़ाया है।

तमसो माँ ज्योतिर्गमय
T.P.S. COLLEGE, PATNA

T.P.S. COLLEGE

यह महाविद्यालय नैतिक मूल्यों को संरक्षित रखते हुए उत्तरोत्तर विकास और प्रगति के पथ पर अग्रसर है। प्रगति और विकास की यह यात्रा निरंतर जारी है।

इस महाविद्यालय में गुणात्मक शिक्षा के लिए सुसज्जित प्रयोगगशालाएँ और अनुभवी एवं योग्य संकाय सदस्य हैं। छात्रों को पुस्तक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए समृद्ध पुस्तकालय है। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों के अपने सेमिनार है जो प्रतिष्ठा के छात्रों को पुस्तक उपलब्ध कराते हैं।

छात्रों के समुचित एवं चतुर्दिक विकास के लिए खेल-कूद, वाद-विवाद एवं अतिरिक्त क्रिया-कलापों की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। ग्रीष्मावकाश और लम्बी छुट्टियों में अपने घर जाने पर छात्रों को रेलवे रियायत टिकट की सुविधा प्राप्त है। यहाँ इंटरमीडिएट एवं स्नातक (प्रतिष्ठा) स्तर तक कला एवं विज्ञान के पाठ्यक्रम के साथ कला संकाय में दर्शनशास्त्र एवं इतिहास तथा विज्ञान संकाय में जन्तु शास्त्र, वनस्पति शास्त्र एवं रसायन शास्त्र में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की व्यवस्था है। साथ ही यू०जी०सी० संपोषित वोकेशनल डिग्री कोर्स - **BBM, BCA** तथा **Bio-Tech.** की शैक्षणिक व्यवस्था महाविद्यालय में है।

महाविद्यालय में Internet, Website Wi-Wifi की सुविधा उपलब्ध है।

प्रो. (डॉ.) उपेन्द्र प्रसाद सिंह
प्रधानाचार्य
टी.पी.एस. कॉलेज, पटना–800 001
पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना

PATLIPUTRA UNIVERSITY

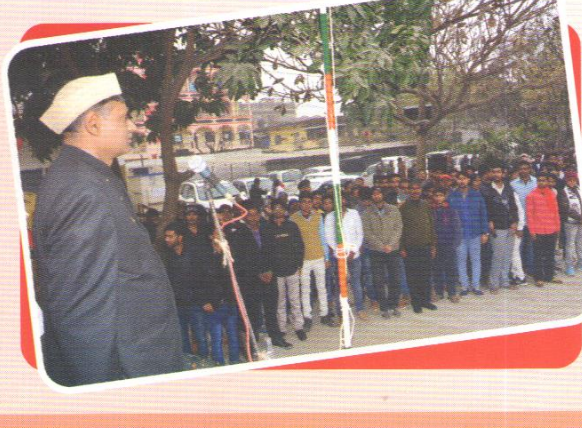

एन०सी०सी०

महाविद्यालय में एन० सी० प्रथम बिहार आर्टीलरी रेजीमेन्ट बटालियन, पटना के अंतर्गत क्रियाशील है। एन०सी०सी० में हर वर्ष 160 कैडेट प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं।

एन०एस०एस० (राष्ट्रीय सेवा योजना)

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की एक इकाई है। इस योजना के अन्तर्गत छात्रों को विभिन्न सामुदायिक विकास एवं समाज कल्याण से संबंधित कार्यों का प्रशिक्षण दिया जाता है।

कुलनुशासक समिति

छात्रों की सुविधा के लिए कुलानुशासक समिति है जो छात्रों से सम्पर्क स्थापित कर उनकी सारी समस्याओं का निदान करती है।

वाद-विवाद समिति

कॉलेज में प्राय: वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज स्तर पर तथा विश्वविद्यालय/राज्य स्तर पर किया जाता है।

सांस्कृतिक परिषद्

कॉलेज की सांस्कृतिक परिषद् के तत्वाधान में प्रति वर्ष कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिसमें कॉलेज के ही छात्र भाग लेते हैं तथा अपनी प्रतिभा को विकसित करते हैं।

अधिक्रीड़ा परिषद्

प्रतिवर्ष वार्षिक अधिक्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन होता है जिसमें चयनित छात्रों को विश्वविद्यालय/राज्य/राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए तैयार किया जाता है।

महाविद्यालय पत्रिका

महाविद्यालय की पत्रिका **''संकेत''** का प्रकाशन प्रतिवर्ष होता है। छात्र/छात्राएँ इसमें अपनी कविता, कहानी एवं सामयिक लेख प्रकाशनार्थ दे सकते हैं। इसके लिए सूचना विद्यार्थियों को सूचना पट्ट पर दी जाती है।

इग्नू अध्ययन केन्द्र

महाविद्यालय में 2003 से 'इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय खुला विश्वविद्यालय' (इग्नू) का अध्ययन केन्द्र सफलतापूर्वक चल रहा है।

पुस्तकालय

महाविद्यालय के पास अपना एक समृद्ध पुस्तकालय है जिसमें करीब 26000 पुस्तकें उपलब्ध हैं। पुस्तकालय कम्प्यूटरीकृत किया जा चुका है। पुस्तकालय में एक अलग अध्ययन कक्ष है जहाँ छात्र/छात्राएँ पुस्तकालय से पुस्तक लेकर अध्ययन करते हैं। घर ले जाने के लिए छात्र/छात्राओं को 14 दिनों के लिए पुस्तकें दी जाती है। 14 दिन के बाद पुस्तक वापस करना होता है। जो छात्र समय पर पुस्तक वापस नहीं करते हैं उन्हें प्रति पुस्तक प्रतिदिन के हिसाब से विलम्ब दण्ड देना पड़ता है।

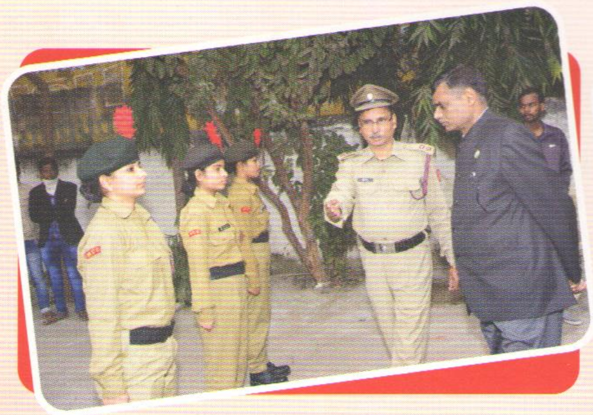

सह-शिक्षा

महाविद्यालय में सह-शिक्षा की समुचित व्यवस्था है। प्रत्येक वर्ग में छात्राएँ नामांकन लेती हैं। उनके लिए अलग कॉमन रूम की व्यवस्था है।

साइकिल स्टैंड

साईकिल से कॉलेज आने वाले छात्रों को साइकिल रखने के लिए अलग एक स्टैंड की व्यवस्था है। छात्र अपनी साइकिल उसी स्टैंड में लगाते हैं। स्टैंड के अलावा साइकिल अन्य किसी स्थान पर लगाना वर्जित है।

बैंक

कॉलेज परिसर में छात्रों के लिए **सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया** की एक शाखा खोली गयी है, जिसका लाभ छात्र-छात्रा उठा सकते हैं।

शौचालय

कॉलेज के प्रत्येक भवन में शौचालय की व्यवस्था है। छात्र आवश्यकता अनुसार इसका उपयोग करते हैं। कॉलेज परिसर में यत्र-तत्र मल-मूत्र त्यागना वर्जित है। कॉलेज परिसर में धूम्रपान निषिद्ध है।

पाठ्य-विषय

कला एवं विज्ञान का नवीन पाठयक्रम

उच्च माध्यमिक (+2 स्तरीय) पाठ्यक्रम (कक्षा-XI-XII)

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 एवं बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2006 के आलोक में बिहार का यह नवीन पाठ्यक्रम (2007) भी 'शिक्षा' के बारे में एक विशिष्ट दृष्टिकोण पर आधारित है। इसके अनुसार, 'शिक्षा का मतलब बिहार के स्कूली शिक्षार्थियों को इतना सक्षम बना देना है कि वे अपने जीवन का, जिन्दा होने का सही-सही अर्थ समझ सकें, अपनी समस्त योग्यताओं का समुचित विकास कर सकें, अपने जीवन का मकसद तय कर सकें और उसे प्राप्त करने हेतु यथासंभव सार्थक एवं प्रभावी प्रयास कर सकें और साथ ही इस बात को भी समझ सकें कि समाज के दूसरे व्यक्ति को भी ऐसा ही करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है।'

बिहार के इंटर के वर्त्तमान पाठ्यक्रम एवं सी०बी०एस०ई० के वर्तमान पाठ्यक्रम के आधार पर निम्नांकित विषयों की पढ़ाई +2 स्तरीय शैक्षिक संस्थानों में करने का निर्णय मानव संसाधन विकास विभाग, बिहार द्वारा लिया गया है-

(I) भाषा समूह :

1. हिन्दी 2. उर्दू 3. अंग्रेजी

उक्त भाषाओं में से प्रत्येक विद्यार्थी को 11वीं एवं 12वीं कक्षा में अनिवार्यतः दो भाषाएँ पढ़नी होंगी। यदि कोई विद्यार्थी चाहे तो उक्त भाषा समूह में से कोई तीसरी भाषा भी ले सकता है। लेकिन यह तीसरी भाषा उसके ऐच्छिक विषय की सूची में रहेगी। भाषा समूह के उक्त विषयों के पाठ्यक्रम सभी पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए एक जैसे होंगे।

(II) वैकल्पिक विषय समूह :

विषय		कला	
1.	गणित	1.	राजनीतिशास्त्र
2.	भौतिक विज्ञान	2.	मनोविज्ञान
3.	रसायनशास्त्र	3.	इतिहास
4.	जीवविज्ञान	4.	अर्थशास्त्र
		5.	दर्शनशास्त्र

उक्त विषयों में से शिक्षार्थी को अनिवार्यत: तीन विषयों का अध्ययन करना होगा।

इसके अतिरिक्त शिक्षार्थी चाहें तो उक्त दोनों विषय (भाषा एवं वैकल्पिक) समूह में से किसी एक विषय को ऐच्छिक विषय के रूप में पढ़ सकते हैं।

पाठ्य पुस्तकें - नवीन पाठ्यक्रम के आधार पर राज्य में पहली बार 11वीं एवं 12वीं कक्षा के लिए विषयवार पाठ्य पुस्तकों का निर्धारिण किया गया है। ये पाठ्य पुस्तकें बिहार राज्य पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा मुद्रित कर उपलब्ध कराई जायेगी। भाषाओं के अतिरिक्त सभी वैकल्पिक विषयों की पाठ्य पुस्तकें वही होंगी जिनका प्रकाशन एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली द्वारा 11-12वीं कक्षा के लिए किया गया है।

12वीं की बोर्ड परीक्षा- 12वीं की बोर्ड परीक्षा से संबद्ध सूचनाएँ एवं मूल्यांकन पद्धति के संबंध में बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (उ०मा०), पटना सूचनाएँ प्रेषित करेगी।

11वीं की परीक्षा कॉलेज स्तर पर माध्यमिक बोर्ड के प्रश्न पत्र के आधार पर होगी तथा 12वीं परीक्षा बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना के द्वारा सम्पन्न होगी।

त्रिवर्षीय स्नातक कला एवं विज्ञान का नवीन पाठ्यक्रम

अनिवार्य विषय :

(1) रचना (पार्ट-I, II में) तथा

(2) सामान्य अध्ययन (पार्ट-III में)

कला (प्रतिष्ठा) : हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी, गणित, मनोविज्ञान, इतिहास, भूगोल, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र।

विज्ञान (प्रतिष्ठा) : भौतिक, रसायन, गणित, वनस्पति विज्ञान एवं जीव विज्ञान।

नोट : पार्ट I और II में प्रतिष्ठा के विषय के अतिरिक्त दो सहायक विषय लेना अनिवार्य है।

स्नातकोत्तर कला एवं विज्ञान का नवीन पाठ्यक्रम

कला : 1. इतिहास 2. दर्शनशास्त्र

विज्ञान : 1. रसायन शास्त्र 2. वनस्पतिशास्त्र 3. जन्तुशास्त्र

नोट : स्नातकोत्तर प्रीवियस एवं फाइनल में दो-दो सेमेस्टर होंगे। प्रत्येक सेमेस्टर चार सौ (400) अंकों का होगा।

T.P.S. COLLEGE

व्यावसायिक पाठ्यक्रम : व्यावसायिक पाठ्यक्रम में सत्र 2009–2010 से बी०बी०एम०, बी०सी०ए० तथा बायोटेक्नोलॉजी में स्नातक स्तर की शिक्षा प्रारंभ है।

सर्विस कोचिंग : यू०जी०सी० अन्तर्गत अ०जा०/अ०ज०जा०/ पिछड़ा/अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र/छात्राओं के लिए विभिन्न सेवाओं में चयन हेतु कोचिंग वर्ग की व्यवस्था उपलब्ध है।

नामांकन संबंधी सूचना : सभी कक्षाओं में नामांकन स्वीकृत स्थानों पर मेधा सूची (Merit List) तथा विश्वविद्यालय/राज्य सरकार द्वारा घोषित आरक्षण नियमों के आधार पर किया जाता है। इसके अतिरिक्त खेल–कूद, ललित कला एवं एन०सी०सी० में विशिष्टता रखने वाले छात्रों को नामांकन में प्राथमिकता प्रदान की जाती है। नामांकन सूची समय–समय पर महाविद्यालय के सूचना पट्ट पर निकाली जाती है।

1. प्रवेश के लिए आवेदन प्रपत्र महाविद्यालय कार्यालय से 150/– नगद भुगतान कर प्राप्त किए जायेंगे।
2. आवेदन जमा करते समय अंतिम छोड़े हुए संस्थान का महाविद्यालय परित्याग प्रमाण–पत्र एवं चरित्र प्रमाण–पत्र तथा प्राप्तांक की अभिप्रमाणित छाया प्रतिलिपि संलग्न करना अनिवार्य है।
3. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ी जाति अथवा मोमिन अभ्यर्थी को जाति प्रमाण–पत्र की छाया प्रति भी संलग्न करना अनिवार्य है।
4. (क) नामांकन में राज्य सरकार के स्वीकृत आरक्षण प्रावधानों के अंतर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ी जाति और मोमिन अभ्यर्थियों के लिए सीट आरक्षित है।

   (ख) खेलकूद, ललित कला तथा एन०सी०सी० में दक्षता प्राप्त अभ्यर्थियों के लिए प्रत्येक वर्ग में कुछ सीटें सुरक्षित हैं।

   (ग) प्रत्येक वर्ग में सैनिक, भूतपूर्व सैनिक तथा वीरगति प्राप्त सैनिक संतानों के लिए सीटें सुरक्षित हैं।

   (घ) विकलांग अभ्यर्थियों के लिए प्रत्येक वर्ग में सीटें सुरक्षित हैं।
5. नामांकन के लिए उन आवेदन–पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा जो अपूर्ण होंगे अथवा महाविद्यालय द्वारा निर्धारित अंतिम तिथि के बाद प्राप्त होंगे।
6. अन्य विश्वविद्यालय से आने वाले छात्र–छात्राओं को नामांकन के पूर्व संबंधित विश्वविद्यालय से प्रवजन प्रमाण–पत्र (Migration Certificate) प्रस्तुत करना होगा।
7. नामांकन के समय आवेदकों को मूल प्रमाण–पत्र, प्राप्तांक पत्र तथा पासपोर्ट आकार के दो छाया चित्र देना अनिवार्य है।
8. जो विद्यार्थी इस महाविद्यालय से उत्तीर्ण हैं, उन्हें छोड़कर अन्य सभी आवेदकों को कॉलेज के प्रधानाचार्य द्वारा हस्ताक्षरित स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र भी पेश करना होगा।
9. नामांकन योग्य चयनित आवेदकों को निश्चित तिथि पर पूर्ण शुल्क देकर अपना नाम लिखा लेना चाहिए। अन्यथा उनका प्रवेश स्वत: रद्द हो जायेगा।
10. आवेदक द्वारा चुने हुए विषयों को स्वीकृत, अस्वीकृत अथवा परिवर्तित करने का अधिकार प्रधानाचार्य को होगा।
11. स्थान की उपलब्धता होने पर ही कोई विषय दिया जा सकेगा।
12. प्रतिष्ठा में नामांकन हेतु अलग–अलग विषयों में अलग आवेदन पत्र देना होगा। एक आवेदन आवेदित विषय में मान्य होगा।
13. इन्टर में जीव विज्ञान एवं गणित में आवेदन अलग–अलग देना होगा।

स्नातक प्रतिष्ठा में नामांकन करानेवाले छात्रों का परीक्षा संबंधी निर्देश

स्नातक खंड-I

1. स्नातक खंड-I परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए प्रारम्भिक परीक्षा से तीन वर्ष की अवधि तय की गई है। अगर कोई परीक्षार्थी प्रारम्भिक परीक्षा में सम्मिलित होता है परन्तु दूसरे वर्ष की परीक्षा में सम्मिलित नहीं होता है तो वैसे विद्यार्थी केवल एक ही बार अगली परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं।
2. अगर प्रारम्भिक परीक्षा में कोई परीक्षार्थी दो या एक विषय में प्रोन्नत होता है तो अगली दो परीक्षा में केवल प्रोन्नत विषय में उत्तीर्ण हो सकता है।
3. अगर परीक्षार्थी दो विषय में प्रोन्नत हो तो एक ही साथ दोनों विषयों में उत्तीर्ण होना अनविार्य है।

स्नातक खंड-II

1. स्नातक खण्ड-I परीक्षा में उत्तीर्ण अथवा प्रोन्नत विद्यार्थी ही स्नातक खण्ड-II की परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं।
2. स्नातक खण्ड-I परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए प्रारम्भिक परीक्षा से तीन वर्ष की अवधि तय की गई है अगर कोई परीक्षार्थी प्रारम्भिक परीक्षा में सम्मिलित होता है परन्तु दूसरे वर्ष की परीक्षा में सम्मिलित नहीं होता है तो वैसे विद्यार्थी केवल एक ही बार अगली परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं।
3. अगर प्रारम्भिक परीक्षा में कोई परीक्षार्थी एक या दो विषय में प्रोन्नत होता है तो अगली दो परीक्षा में केवल प्रोन्नत विषय में उत्तीर्ण हो सकता है।
4. अगर परीक्षार्थी दो विषय में प्रोन्नत है तो एक ही साथ दोनों विषयों में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
5. कोई परीक्षार्थी एक ही परीक्षा वर्ष में स्नातक खंड-I एवं स्नातक खण्ड-II की प्रारम्भिक परीक्षा (सभी विषय) में सम्मिलित नहीं हो सकता है।

स्नातक खंड-III

1. स्नातक खण्ड-I उत्तीर्ण तथा स्नातक खण्ड-II उत्तीर्ण अथवा प्रोन्नत विद्यार्थी ही स्नातक खण्ड-III की परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं।
2. अगर स्नातक स्नातक खण्ड-II के प्रोन्नत विद्यार्थी स्नातक खण्ड-II एवं III की परीक्षा में सम्मिलित होते हैं तो उस वर्ष स्नातक खण्ड-III उत्तीर्ण के साथ स्नातक खण्ड-II में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है अन्यथा स्नातक खण्ड-III की परीक्षाफल रद्द कर दिया जायेगा।
3. कोई परीक्षार्थी एक ही परीक्षा वर्ष में स्नातक खण्ड-II की प्रारम्भिक परीक्षा (सभी विषय) तथा स्नातक खण्ड-III की प्रारम्भिक परीक्षा (सभी विषय) नहीं दे सकता है।
4. स्नातक खण्ड-III की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए तीन वर्ष की अवधि तय है।
5. अगर कोई परीक्षार्थी स्नातक खण्ड-III के प्रतिष्ठा विषय में उत्तीर्ण परन्तु सामान्य अध्ययन (G.S.) में अनुत्तीर्ण होता है तो केवल अगले वर्ष सभी विषय या केवल सामान्य अध्ययन (G.S.) की परीक्षा में सम्मिलित हो सकता है।

नोट : स्नातक खण्ड-I, स्नातक खण्ड-II एवं III त्रिवर्षीय (Integrated) मिला-जुला पाठ्यक्रम है यानि खण्ड-I, II का अलग-अलग कोई महत्त्व नहीं है। फलत: स्नातक खण्ड-I की प्रारम्भिक परीक्षा से स्नातक खण्ड-III की उत्तीर्ण परीक्षा में छ: वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए।

प्रत्येक वर्ग में छात्र-छात्राओं की 75% उपस्थिति अनिवार्य है

75% उपस्थिति होने पर ही छात्रों को परीक्षा-प्रपत्र भरने दिया जायेगा। परीक्षा भरने के पहले तथा XI से XII में प्रोन्नत होने के पहले जाँच परीक्षा में सफल होना अनिवार्य होगा।

T.P.S. COLLEGE

प्रधानाचार्यों की सूची

1. श्री कुटेश्वर प्रसाद सिन्हा	प्रधानाचार्य	(20.1.62 से 30.4.90 तक)
2. डॉ० छोटे प्रसाद सिंह	प्रधानाचार्य	(1.5.90 से 17.5.92 तक)
3. डॉ० धर्मदेव राय	प्रधानाध्यापक-प्रभारी	(18.10.92 से 17.1.93 तक)
4. डॉ० राजेन्द्र कुमार सिन्हा	प्रधानाध्यापक-प्रभारी	(18.1.93 से 20.4.94 तक)
5. प्रो० (डॉ०) बबन सिंह	प्रधानाचार्य	(21.4.94 से 19.1.99 तक)
6. प्रो० (डॉ०) रामनरेश सिंह	प्रधानाचार्य	(19.1.99 से 19.11.08 तक)
7. प्रो० (डॉ०) बबन सिंह	प्रधानाचार्य	(20.11.08 से 16.07.14 तक)
8. प्रो० (डॉ०) श्रीकांत शर्मा	प्रधानाचार्य	(17.07.14 से 30.09.15 तक)
9. प्रो० (डॉ०) मोहन प्रसाद	प्रभारी प्रधानाचार्य	(01.10.15 से 13.10.15 तक)
10. प्रो० (डॉ०) तपन कुमार शांडिल्य	प्रधानाचार्य	(14.10.15 से 23.12.17 तक)
10. प्रो० (डॉ०) उपेन्द्र प्रसाद सिंह	प्रधानाचार्य	(23.12.17 से कार्यरत)

वित्तेक्षक

प्रो० (डॉ०) कृष्ण नंदन प्रसाद

कुलानुशासक बोर्ड

प्रो० विजय कुमार सिन्हा - कुलानुशासक

प्रो० शिवनारायण राम - उपकुलानुशासक

प्रो० दीपिका शर्मा - उपकुलानुशासक

परीक्षा नियंत्रक - डॉ० श्यामल किशोर

कार्यक्रम पदाधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना - डॉ० कृष्ण नंदन प्रसाद

एन०सी०सी० पदाधिकारी - डॉ० छोटे लाल

समन्वयक इग्नू - डॉ० श्यामल किशोर

महाविद्यालय में कार्यरत प्राध्यापकों की सूची

प्रो० (डॉ०) उपेन्द्र प्रसाद सिंह

प्रधानाचार्य

हिन्दी विभाग

1. डॉ० जावेद अख्तर खां (विभागाध्यक्ष)
2. डॉ० शशि भूषण चौधरी

अंग्रेजी विभाग

1. डॉ० हेमलता सिंह (विभागाध्यक्ष)
2. डॉ० छोटे लाल

उर्दू विभाग

1. डॉ० (श्रीमती) एस० ए० नूरी (विभागाध्यक्ष)
2. डॉ० अबू बकर रिजवी

दर्शनशास्त्र

1. डॉ० श्यामल किशोर (विभागाध्यक्ष)
2. डॉ० विजय कुमार सिन्हा

राजनीतिशास्त्र विभाग

1. डॉ० उषा किरण (विभागाध्यक्ष)
2. डॉ० शिवनारायण राम
3. डॉ० उषा विद्यार्थी

गणित विभाग

1. डॉ० कृष्ण नंदन प्रसाद (विभागाध्यक्ष)
2. डॉ० विनोद कुमार राय

रसायनशास्त्र विभाग

1. डॉ० शशिप्रभा दुबे

मनोविज्ञान विभाग

1. डॉ० धर्मराज राम (विभागाध्यक्ष)
2. डॉ० (श्रीमती) रूपम
3. डॉ० रघुवंश मणि

इतिहास विभाग

1.
2.

भूगोल विभाग

1. श्री उदय कुमार (अतिथि संकाय सदस्य)

अर्थशास्त्र विभाग

1. डॉ० नवेन्दु शेखर (विभागाध्यक्ष)
2. डॉ० (श्रीमती) अंजलि प्रसाद
3. सुश्री दीपिका शर्मा

भौतिक विज्ञान विभाग

1. डॉ० सुनील कुमार सिंह
2. डॉ० देवारति घोष

वनस्पति विज्ञान विभाग

1. डॉ० तनुजा (विभागाध्यक्ष)

जन्तु विज्ञान विभाग

1. डॉ० (श्रीमती) ज्योत्सना कुमारी

T.P.S. COLLEGE

शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की सूची

तृतीय श्रेणी

1.	श्री मनोज कुमार सिंह	प्रधान सहायक
2.	श्री कृष्णा सिंह	दिनचर्या लिपिक
3.	श्री तुमुल आनन्द	दिनचर्या लिपिक
4.	श्री बैंकटेश कुमार	दिनचर्या लिपिक
5.	श्री जकी इमाम	दिनचर्या लिपिक
6.	श्री कुमार अमिताभ	दिनचर्या लिपिक
7.	श्री राज कुमार शर्मा	भंडारपाल
8.	श्री मृत्युंजय कुमार	दिनचर्चा लिपिक
9.	श्री अम्बरीय कुमार	दिनचर्या लिपिक
10.	श्री रामाशीष यादव	भंडारपाल
11.	श्री इन्द्रदेव प्रसाद	भंडारपाल
12.	श्री दीपक कुमार रंजन	दिनचर्या लिपिक
13.	श्री प्रीतम कुमार	दिनचर्या लिपिक
14.	श्री राकेश यादव	दिनचर्या लिपिक
15.	श्री अमन पटेल	दिनचर्या लिपिक
16.	श्री मुन्ना कुमार	दिनचर्या लिपिक
17.	सुश्री छवि कुमारी	दिनचर्या लिपिक

पदनामित प्रयोगप्रदर्शक

1.

चतुर्थवर्गीय कर्मचारीगण

1. श्री जीत बहादुर
2. श्री श्याम बाबू शर्मा
3. श्री भरत पासवान
4. श्री मो० शाहिद
5. श्री भगवान गोप

शैक्षणिक सत्र : 2016-2017

महाविद्यालय संचालन समिति

1. प्रधानाचार्य-पदेन-अध्यक्ष
2. सभी विभागाध्यक्ष
3. पुस्तकालयाध्यक्ष, लेखापाल

क्रय-बिक्रय समिति:

1. प्रधानाचार्य-अध्यक्ष

महाविद्यालय निर्देशिका समिति:-

1. प्रधानाचार्य-पदेन अध्यक्ष
2. डॉ० नवेन्दु शेखर

नामांकन समिति:-

1. डॉ० विनोद कुमार राय-विज्ञान
2. डॉ० अबू बकर रिजवी-कला

छात्र निःशुल्क समिति :- 1. डॉ० छोटे लाल 2. डॉ० रूपम 3. डॉ० कृष्णनन्द प्रसाद 4. डॉ० तनुजा

संकेत पत्रिका : सम्पादन-सह-प्रबंध समितिः-

1. डॉ॰ छोटे लाल
2. डॉ॰ जावेद अख्तर खाँ
3. डॉ॰ एस. ए. नूरी
4. डॉ॰ शशि भूषण चौधरी
5. डॉ॰ श्यामल किशोर
6. डॉ॰ अबू बकर रिजवी
7. डॉ॰ तनुजा

क्रीड़ा :- 1.

छात्र विनोद कक्ष :- 1. डॉ॰ अबू बकर रिजवी, सदस्य
2. डॉ. रघुवंश मणी, सदस्य

छात्रा विनोद कक्ष :- 1.

पुस्तकालय समितिः- 1. डॉ॰ शशि भूषण चौधरी
2. डॉ॰ जावेद अख्तर खान
3. डॉ॰ उषा किरण
4. डॉ॰ विजय कुमार सिंह

भवन निर्माण समिति :-

1. प्रधानाचार्य-अध्यक्ष
2. विश्वविद्यालय प्रतिनिधि-सदस्य
3. दो वरीय शिक्षक

डॉ॰ श्याम सुन्दर प्रसाद

4. विश्वविद्यालय अभियंता-सदस्य
5. वास्तुविद-सदस्य
6. बर्सर-पदेन सदस्य

परिसर सौनदर्यीकरण समिति :-

1. डॉ॰ सुनील कुमार सिंह
2. डॉ॰ शिव नारायण राम
3. डॉ॰ उषा विद्यार्थी

भूमि-भवन एवं संपदा समिति

1. डॉ॰ उषा विद्यार्थी
2. डॉ॰ रघुवंश मणी
3. श्री मनोज कुमार सिंह
4. श्री बेंकटेश कुमार

समय-सारणीः 1.

छात्र अनुशासन समितिः

1. प्रधानाचार्य
2. सभी विभागाध्यक्ष

अन्य महत्वपूर्ण प्रकोष्ठ / परिषद् / समिति :-

1. डॉ॰ विजय कुमार सिंह
2. डॉ॰ अंजली प्रसाद

सांस्कृतिक परिषद् :- 1. डॉ॰ जावेद अख्तर खाँ
2. डॉ॰ छोटे लाल
3. डॉ॰ (श्रीमती) एस॰ ए॰ नूरी
4. डॉ. तनुजा
5. डॉ॰ कृष्णानन्दन प्रसाद

सूचना केन्द्र / पूछ-ताछ :- श्री बेंकटेश कुमार-

सेमिनार, सिम्पोजियम, ऑडियो-विजुअल इत्यादि के आयोजन सेमिनार हॉल में होंगे। महाविद्यालय खुला रहने पर प्रत्येक शुक्रवार या किसी निर्धारित तिथि को परिषद् की बैठक क्रम से हुआ करती है, जिसमें छात्रों का सक्रिय सहयोग वांछित है।

यू.जी.सी. संपोषित कार्यक्रम :-

1. रिमेडियल कोचिंग - डा॰ छोटे लाल
2. इक्वल अपॉरच्युन्टी सेन्टर - डा॰ हेम लता सिंह
3. कैरियर एवं कॉउन्सिलिंग सेल - डा॰ रूपम
4. यू.जी.सी. नेटवर्क रिसोर्स सेन्टर - डा॰ श्यामल किशोर

निःशुल्कता एवं छात्रवृत्तियाँ

-: निःशुल्कता :-

निर्धन और मेधावी छात्रों को निःशुल्कता प्रदान की जाती है।
जिसकी संख्या कुल छात्र संख्या का 12½% होगी।

छात्रवृत्तियाँ : छात्रों के लिए निम्नलिखित छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध हैं।

1. राष्ट्रीय प्रतिभा छात्रवृत्ति
2. मेधाविता-सह-निर्धनता छात्रवृत्ति
3. कल्याण विभाग की छात्रवृत्तियाँ
4. सैनिक परिषद् की छायावृत्तियाँ
5. राष्ट्रीय ऋण छात्रवृत्ति
6. मंत्री/कुलपति के विवेकाधीन कोष अनुदान
7. वि॰वि॰ अनुदान आयोग (UGC) द्वारा प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति

परिचय-पत्र

नामांकन के बाद छात्रों को अपना परिचय-पत्र बनवा लेना होगा तथा महाविद्यालय परिसर में परिचय-पत्र को पास में रखना अनिवार्य होगा।

MAIN BUILDING

ADMINISTRATIVE BUILDING

मुद्रक : किशोर इन्टरप्राइजेज, पटना–3, मो॰ : 9431063517